



224hi16

लेखांकन में कम्प्यूटर



टिप्पणी

व्यापार के विस्तार के साथ ही लेनदेनों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप रिकार्ड की मानवीय व्यवस्था करना अत्यंत कठिन हो गया है। व्यापार में कम्प्यूटर के आरंभ के साथ ही लेखांकन की मानवीय व्यवस्था करने की पद्धति अब धीरे-धीरे प्रतिस्थापित होती जा रही है। डेटा बेस प्रौद्योगिकी के व्यापारिक उद्यमों में प्रवेश से लेखांकन विभाग में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। इस पाठ में हम कम्प्यूटर की विशेषताओं, लेखांकन में कम्प्यूटर की भूमिका, लेखांकन में कम्प्यूटर की आवश्यकता आदि का अध्ययन करेंगे।



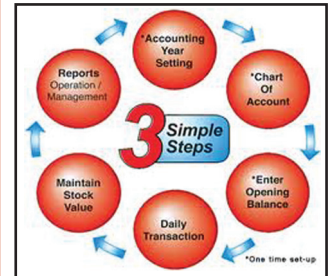
उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के बाद आप इस योग्य हो जाएँगे कि :

- कम्प्यूटर का अर्थ और विशेषताओं का वर्णन कर सकेंगे;
- कम्प्यूटर के भागों का वर्णन कर सकेंगे;
- कम्प्यूटर की सीमाओं की व्याख्या कर सकेंगे;
- लेखांकन में कम्प्यूटर की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे;
- मैनुअल और कम्प्यूटरीकृत लेखांकन में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे;
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की आवश्यकताओं का वर्णन कर सकेंगे और
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की आधारभूत आवश्यकताओं का वर्णन कर सकेंगे।

16.1 कम्प्यूटर और इसकी विशेषताएँ

कम्प्यूटर एक ऐसा इलैक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिससे कि निर्धारित निर्देशों के सैट कार्यक्रम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा सकते हैं। यह डाटा को तीव्र गति से प्रोसेस करने वाली इलैक्ट्रॉनिक मशीन है। यह सभी जटिल समस्याओं का समाधान कर सकती है। यह प्रयोगकर्ता से डाटा को ग्रहण करने के बाद इसे सूचना में परिवर्तित करके इच्छित परिणाम प्रदान करता है। इस प्रकार हम कम्प्यूटर को एक ऐसे उपकरण के रूप में परिभाषित कर सकते हैं, जो डाटा को सूचना में परिवर्तित कर सकता है। डाटा कुछ भी हो सकता है, जैसे विभिन्न विषयों में प्राप्तांक। यह किसी राष्ट्र के विद्यार्थियों के नाम, आयु, लिंग, भार, ऊँचाई, बचत, निवेश आदि की जानकारी के रूप में भी हो सकता है। कम्प्यूटर को इसके कार्यों के संदर्भ में परिभाषित किया जा सकता है। कम्प्यूटर एक ऐसा उपकरण है जो कि



3 सोपान

पाठ्यक्रम - VI

लेखांकन और कम्प्यूटर



टिप्पणी

लेखांकन में कम्प्यूटर

डाटा को स्वीकार, संग्रहण, इच्छानुसार प्रोसेस करता है। यह डाटा को जब चाहे तब पुनरूत्पादित और मनचाहे फार्मेट में प्रिंट कर सकता है।

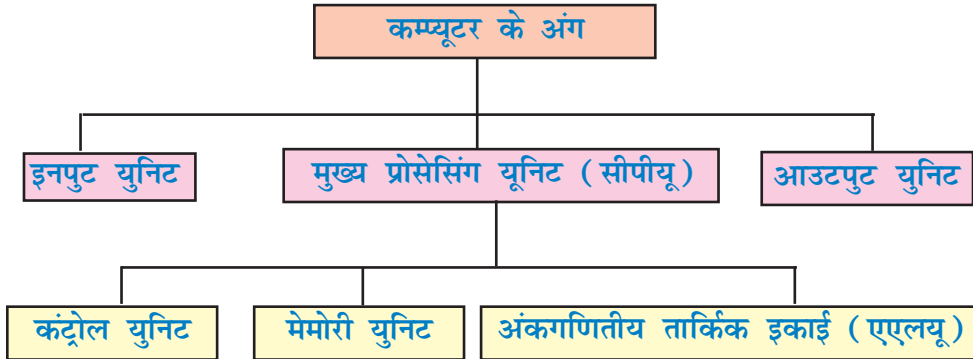
कम्प्यूटर की विशेषताएँ

कम्प्यूटर मानव से कई तरह से अच्छा है। इसकी कुछ विशेषताएँ हैं, जो इस प्रकार हैं :

- i) **गति** : यह मनुष्य की तुलना में डाटा को लाखों गुना तेजी से ग्रहण और प्रोसेस कर सकता है। यह डाटा को अपनी मेमोरी में ग्रहण करने के साथ-साथ उसे प्रोसेस करके वांछित परिणाम दे सकता है। सही अर्थों में इसे डाटा प्रोसेसर के रूप में प्रयोग किया जाता है। कम्प्यूटर के सारे कार्य विद्युतीय और प्रकाशीय गति से संचालित होते हैं। आधुनिक, अधिकांश कम्प्यूटर 100 मिलियन गणना प्रति सेकेंड की दर से कर सकते हैं।
- ii) **संग्रहण** : कम्प्यूटर की संग्रहण क्षमता काफी विशाल होती है। इसमें विशाल डाटा अथवा सूचना को संग्रहण करने की क्षमता होती है। इनमें कम भौतिक स्थान में अत्यधिक विशाल डाटा को भंडारण करने की क्षमता होती है। सूचना के अलावा आधुनिक कम्प्यूटर चित्रों और ध्वनि को डिजिटल ढंग से संग्रहण करने में सक्षम है।
- iii) **शुद्धता** : कम्प्यूटर में शुद्धता का स्तर बहुत ही उच्च है और इसकी प्रत्येक गणना इसी शुद्धता से दोहराई जाती है। त्रुटियाँ मनुष्य के कारण होती हैं न कि तकनीकी कमियों के कारण। इन त्रुटियों का मुख्य कारण प्रयोगकर्ता द्वारा गलत प्रोग्राम अथवा गलत डाटा का प्रयोग करना होता है।
- iv) **परिश्रम** : कम्प्यूटर थकान और एकाग्रता की समस्या से मुक्त है। यदि इसे एक करोड़ गणनाएँ करनी हों तो वह प्रथम और अंतिम गणना एक जैसी शुद्धता और गति से ही करेगा।
- v) **बहुमुखी प्रतिभा** : कम्प्यूटर भिन्न श्रेणी के कार्य गति, शुद्धता और सटीकता के साथ कर सकता है। किसी भी संगठन में प्रायः एक ही कम्प्यूटर का विभिन्न उद्देश्यों जैसे लेखांकन, खेलना, बिजली के बिल तैयार करना, ई-मेल भेजना इत्यादि के लिए प्रयोग किया जाता है।
- vi) **सम्प्रेषण** : वर्तमान समय में कम्प्यूटर का प्रयोग शक्तिशाली सम्प्रेषण साधनों के रूप में किया जा रहा है। कार्यालय के सभी कम्प्यूटर एक-दूसरे से केबल के माध्यम से जुड़े होते हैं और कम्प्यूटर के नेटवर्क के माध्यम से दूसरों से कार्यालय में सम्प्रेषण करना संभव है।
- vii) **प्रोसेसिंग पावर** : वर्तमान समय तक कम्प्यूटर ने लंबी यात्रा तय की है। उनकी शुरुआत अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्रोटोटाइप भाग के रूप में हुई। इसके बाद इसके व्यापारिक उद्यमों में सहायता करने के साथ ही उनकी पहुँच इतनी व्यापक हो चुकी है कि इनका प्रयोग हर जगह हो रहा है। समय के परिवर्तन के साथ-साथ कम्प्यूटर वर्तमान समय में अधिक तीव्र, छोटे, सस्ते, अधिक विश्वसनीय और प्रयोग करने में सरल हो गए हैं।

16.2 कम्प्यूटर के अंग

कम्प्यूटर के तीन मुख्य अंग होते हैं, जैसे, इनपुट यूनिट, मुख्य प्रोसेसिंग यूनिट और आउटपुट यूनिट। रेखाचित्र के माध्यम से इन्हें इस प्रकार दर्शाया जा सकता है :



आगम इकाई (इनपुट यूनिट)

यह वह इकाई है जिसमें विभिन्न उपकरणों द्वारा कम्प्यूटर में डाटा दर्ज किया जाता है। मुख्य इनपुट उपकरणों में की-बोर्ड, माऊस और स्कैनर हैं। अन्य उपकरणों में चुंबकीय टेप, चुंबकीय डिस्क, लाईन पेन, बार कोड रीडर, स्मार्ट कार्ड रीडर इत्यादि हैं। इसके अतिरिक्त अन्य उपकरण वे भी हैं जो ध्वनि और शारीरिक स्पर्श के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। उदाहरण के लिए हवाई अड्डे पर शारीरिक स्पर्श प्रणाली स्थापित की गई है, जिससे कि ऑनलाईन उड़ान के आगमन और प्रस्थान की सूचना प्राप्त की जा सके। इस इनपुट इकाई का कार्य इनपुट को स्वीकार करके इसे बाईनरी प्रणाली में परिवर्तित करना है।

मुख्य प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू)

सीपीयू किसी भी कम्प्यूटर का नियंत्रण केन्द्र है। यह मार्गदर्शन करता है, निर्देश देता है और इसके प्रदर्शन को नियंत्रित करता है। सही अर्थों में यह कम्प्यूटर का मस्तिष्क है। कम्प्यूटर के अंदर मुख्य इकाई मुख्य प्रोसेसिंग इकाई ही है। इसका प्रयोग प्रोग्राम, फोटो, ग्राफिक्स और डाटा को स्टोर करना है तथा प्रोग्राम के निर्देशों का पालन करना है। यह तीन मुख्य उप-इकाइयों में विभाजित किया गया है :

- नियंत्रित इकाई :** नियंत्रण इकाई कम्प्यूटर के सभी घटकों की गतिविधियों को नियंत्रित एवं उनके बीच समन्वय स्थापित करती है।
- स्मृति इकाई :** वास्तव में यह इकाई डाटा को भंडारित करने से पहले प्रोसेस करती है। कम्प्यूटर के स्मृति विभाग में स्थापित निर्देशों के अनुसार पहले से भंडारित डाटा को पाया और प्रोसेस किया जाता है। यह सब क्रिया इस डाटा के इनपुट उपकरणों द्वारा स्मृति में स्थापित करने से पहले होती है।
- अंकगणितीय और तार्किक इकाई :** इस इकाई में सारी अंकगणितीय और संगणनाएँ जैसे जोड़, घटा, भाग और गुणा जैसे कार्य संपन्न होते हैं। इसमें तार्किक कार्य जैसे चर और डाटा मनों के बीच तुलनात्मक कार्य भी होते हैं।



टिप्पणी





टिप्पणी

निर्गम इकाई (आउटपुट यूनिट)

यह इकाई डाटा के प्रसंस्करण के बाद मानव के पढ़ने योग्य निर्गम परिवर्तन को सुनिश्चित करती है। जिससे कि वह प्रयोगकर्ता द्वारा समझा जा सके। निर्गम उपकरणों के रूप में सामान्यतः प्रयोग में आने वाले उपकरणों में मॉनीटर, प्लॉटर, प्रिंटर, स्पीकर आदि हैं।



पाठगत प्रश्न 16.1

रिक्त स्थानों की पूर्ति सही शब्दों द्वारा करें :

- कम्प्यूटर तीव्र गति से _____ इलैक्ट्रॉनिक मशीन है।
- कम्प्यूटर के सारे कार्य _____ प्रकाशीय गति से संचालित होते हैं।
- कम्प्यूटर एकाग्रता की कमी और _____ से मुक्त है।
- कम्प्यूटर शक्तिशाली _____ साधनों के रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं।
- अधिकांशतः इनपुट उपकरणों में की-बोर्ड, _____ और स्कैनर शामिल हैं।
- मुख्य प्रोसेसिंग इकाई कम्प्यूटर के लिए ऐसे हैं जैसे कि मानव शरीर के लिए _____।
- सामान्यतः निर्गम उपकरणों में _____ तथा प्रिंटर आदि शामिल हैं।

16.3 कम्प्यूटर की सीमाएँ

कम्प्यूटर की सीमाएँ उस वातावरण के कारण हैं, जिसमें वे स्थापित किए जाते हैं इसकी कुछ सीमाएँ इस प्रकार हैं :

- स्थापना की उच्च कीमत :** कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के नए संस्करण समय के साथ-साथ अद्यतन करने की आवश्यकता पड़ती रहती है। इसके परिणामस्वरूप पुराने संस्करण के हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के बदले नए को खरीदने के लिए भारी लागत वहन करनी पड़ती है।
- महंगा परीक्षण :** लेखांकन में कम्प्यूटर के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए नए-नए हार्डवेयर ओर सॉफ्टवेयर उपलब्ध हो रहे हैं। इसके लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता है और कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण की लागत वहन करनी पड़ती है।
- स्व-निर्णय संभव नहीं :** कम्प्यूटर मनुष्य की तरह निर्णय नहीं ले सकता। इसे उपयोगकर्ता द्वारा निर्देशित करना पड़ता है। और केवल उसी तरीके से कार्य कर सकता है जिस तरीके से इसे काम करने के लिए प्रोग्राम दिया गया है।
- महंगा रखरखाव :** कम्प्यूटर की क्षमता को बनाये रखने के लिए इसका रखरखाव आवश्यक है। इसकी कार्य क्षमता को बनाये रखने के लिए साफ, स्वच्छ और नियंत्रित तापमान की आवश्यकता होती है। इसके फलस्वरूप इसका रखरखाव महंगा हो जाता है।

- v) **स्वास्थ्य के लिए खतरा :** कम्प्यूटर के अत्यधिक प्रयोग से कई प्रकार की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं, जैसे मांसपेशियों में दर्द, आँखों में रूखापन और कमरदर्द इत्यादि। यह कार्य कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे चिकित्सा व्यय में वृद्धि होती है।

16.4 लेखांकन में कम्प्यूटर का उपयोग

लेखांकन लेनदेनों के अभिलेखन की सबसे लोकप्रिय मानवीय प्रणाली है, जिसमें बही खातों का रख-रखाव जैसे कि रोजनामचा, रोकड़ बही, विशेष उद्देश्य वाली बहियाँ, खाता बही आदि शामिल है। लेखाकार को लेनदेनों और विवरणों के मानवीय सारांश तैयार करने की आवश्यकता पड़ती है। अग्रिम तकनीक से विकसित कई मशीनें लेखांकन के विभिन्न कार्यों को करने में सक्षम हैं। उदाहरणतया एक बिलिंग मशीन जिसे कम्प्यूटर के रूप में जाना जाता है। यह मशीन छूट, शुद्ध योग करने और अपेक्षित डाटा को संबंधित प्रासंगिक खातों में डालने में सक्षम है।

लेनदेनों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि के साथ एक ऐसी मशीन विकसित की गई थी, जो लेखांकन में कम समय में डाटा को ग्रहण और प्रोसेस कर सकती थी। इस प्रकार की उन्नति से उद्यमों की सफलता में वृद्धि हुई। इस मशीन का एक नया संस्करण तीव्र गति, अधिक ग्रहण क्षमता और प्रसंस्करण क्षमता के साथ विकसित किया गया। ये सब मशीनें एक कम्प्यूटर से जुड़ी होती हैं, जहां से इनका संचालन होता है। परिणामस्वरूप, लेखा पुस्तकों का रखरखाव कम्प्यूटरीकृत लेखांकन के कारण अधिक सुविधाजनक हो गया।

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन डाटाबेस अवधारणा का प्रयोग करता है। इस उद्देश्य के लिए लेखांकन सॉफ्टवेयर का प्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली को लागू करने के लिए प्रयोग किया जाता है। इससे रोजनामचा, खाताबही आदि को तैयार करने की आवश्यकता दूर हो जाती है, जो कि मैनुअल लेखांकन का मुख्य भाग है। साधारणतया लेखांकन में प्रयोग होने वाले मुख्य सॉफ्टवेयरों में टैली, कैश मैनेजर, बैस्ट बुक्स, बिजी आदि है।

लेखांकन सॉफ्टवेयर का प्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन को लागू करने में प्रयोग किया जाता है। कम्प्यूटरीकृत लेखांकन डाटाबेस की अवधारणा पर निर्भर करता है। यह आधारभूत सॉफ्टवेयर है जो कि डाटाबेस में निहित डाटा के उपयोग की अनुमति देता है। यह डाटा के संग्रह को सुनिश्चित करने की प्रणाली है जिससे कि इसकी विश्वसनीयता और गोपनीयता बनी रहती है।

लेखांकन में कम्प्यूटर के निम्न उपयोग हैं :

- लेखांकन प्रलेखों का निर्माण :** कम्प्यूटर लेखांकन में कैश मेमो, बिल चालान आदि प्रलेखों को और लेखांकन प्रमाणकों को तैयार करने में सहायता करता है।
- लेनदेनों को लिपिबद्ध करना :** प्रतिदिन कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर की सहायता से व्यावसायिक लेनदेनों को लिपिबद्ध किया जाता है। तार्किक योजना का प्रयोग खातों और लेनदेनों को लिपिबद्ध करने के लिए प्रयोग किया जाता है। प्रत्येक खाते और लेनदेन



टिप्पणी



पाठ्यक्रम - VI

लेखांकन और कम्प्यूटर



टिप्पणी

लेखांकन में कम्प्यूटर

को एक विशेष कोड दिया जाता है। जिससे कि वह खाता एक समूह विशेष में डाल दिया जाता है। यह प्रक्रिया लेनदेन को लिपिबद्ध करने के तरीके को सरल बनाती है।

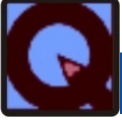
- iii) **तलपट और वित्तीय विवरण तैयार करना** : लेनदेनों को लिपिबद्ध करने के बाद डाटा, कम्प्यूटर द्वारा स्वतः बही खातों में स्थानांतरित हो जाता है। कम्प्यूटर द्वारा रिकार्ड की जाँच के लिए तलपट तैयार किया जाता है। तलपट की सहायता से व्यापार, लाभ और हानि खाता तथा स्थिति विवरण, कम्प्यूटर में प्रोग्राम द्वारा तैयार किए जा सकते हैं।

16.5 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन

लेनदेन प्रसंस्करण प्रणाली (टीपीएस) कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली का प्रथम चरण है। टीपीएस का उद्देश्य लेनदेन को रिकार्ड, प्रक्रियात्मक, अद्यतन और भंडारित करना है, जो व्यवसाय के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में पुनर्प्राप्ति और उपयोग में आते हैं। लेनदेन की प्रक्रिया में टीपीएस के निम्न चरण होते हैं : डाटा प्रविष्टि, डाटा मान्यता, प्रसंस्करण और पुनर्वैधीकरण, भंडारण, सूचना और रिपोर्टिंग। यह लेनदेन प्रक्रिया प्रणालियों में से एक है जो कि वित्तीय लेनदेनों से संबंधित है। जब कोई प्रणाली केवल मनुष्य द्वारा चलाई जाती है तो उसे मानवीय प्रणाली कहा जाता है। परंतु जब इसमें मनुष्य और कम्प्यूटर दोनों का प्रयोग होता है, तब यह कम्प्यूटर आधारित प्रणाली कहलाती है। इन चरणों की व्याख्या बैंक-ग्राहक द्वारा स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) के उदाहरण द्वारा की जा सकती है।

- i) **डाटा प्रविष्टि** : डाटा प्रविष्टि को प्रसंस्करण मान लिया जाता है। ग्राहक एटीएम की सुविधा का प्रयोग धनराशि निकालने के लिए किया करता है। ग्राहक द्वारा अपनाए गए चरणों से डाटा तैयार होता है, जो कम्प्यूटरीकृत निजी बैंकिंग द्वारा सत्यापन के बाद प्रसंस्कृत किया जाता है।
- ii) **डाटा मान्यकरण/सत्यापन** : यह पूर्व निर्धारित मानकों या उपलब्ध डाटा की तुलना द्वारा इनपुट डाटा की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। इस सत्यापन का निर्धारण 'एरर डिटेक्शन' और 'एरर कनेक्शन' विधियों के द्वारा होता है। नियंत्रण तंत्र जिसका उपयोग पूर्व निर्धारित मानदंडों के द्वारा त्रुटियों का पता लगाने तथा इसके साथ इनपुट डाटा की तुलना करने के लिए किया जाता है। जबकि सही करने की विधि सही डाटा प्रविष्टि के लिए सुझाव देती है। ग्राहक की व्यक्तिगत पहचान संख्या (पिन) पूर्व निर्धारित डाटा के साथ सत्यापित की जाती है। यदि वह गलत है तो पिन के लिए सुझाव दिया जाता है कि यह अभाव्य है। पिन सत्यापित हो जाने के बाद धनराशि की निकासी यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की जाती है कि निकासी पूर्व निर्धारित सीमा से अधिक न हो।
- iii) **प्रसंस्करण और पुनर्वैधीकरण** : डाटा का प्रसंस्करण लगभग तुरंत ऑन लाइन विनिमय प्रक्रिया के द्वारा प्रणाली में पूर्व निर्धारित वैध डाटा के आधार पर किया जाता है। इसे इनपुट की वैधता जांचना कहा जाता है। पुनर्वैधीकरण की प्रक्रिया द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि एटीएम द्वारा पैसे की निकासी पूरी हो चुकी है। इसे आउटपुट की वैधता जांचना कहा जाता है।

- iv) **भंडारण** : जैसा कि ऊपर बताया गया है, प्रसंस्कृत कार्यों के फलस्वरूप वित्तीय लेनदेनों का डाटा प्रसार होता है। यह ग्राहक विशेष द्वारा पैसे की निकासी, कम्प्यूटरीकृत व्यक्तिगत बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से लेनदेन के डेटाबेस में भंडारित हो जाती है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि केवल वैध लेनदेन ही डेटा बेस में भंडारित होते हैं।
- v) **सूचना** : संग्रहित डाटा को क्वेरी सुविधा का उपयोग करने के लिए इच्छित जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रयोग किया जाता है।
- vi) **रिपोर्टिंग** : आवश्यक सूचना सामग्री के आधार पर रिपोर्ट की निर्णायक उपयोगिता को ध्यान में रखकर ही रिपोर्ट तैयार की जा सकती है।



पाठगत प्रश्न 16.2

सही शब्द/शब्दों का चुनाव करते हुए रिक्त स्थान भरो :

- कम्प्यूटर हार्डवेयर और _____ समय-समय पर अद्यतन करने आवश्यक हैं।
- _____ मनुष्य की तरह स्वयं निर्णय नहीं ले सकते।
- _____ कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए साफ, स्वच्छ और नियंत्रित तापमान चाहिए।
- लेखांकन, लेनदेनों के अभिलेखन की सबसे प्रमुख _____ प्रणाली है।
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन _____ की अवधारणा का प्रयोग करता है।
- लेखांकन _____ का प्रयोग कम्प्यूटरीकृत लेखांकन को लागू करने के लिए किया जाता है।

16.6 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की आवश्यकता और लाभ

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की आवश्यकता गति, शुद्धता और व्यावसायिक लेनदेनों की न्यूनतम लागत की देखरेख के कारण हुई है। इनको विस्तारपूर्वक नीचे समझाया गया है :

- अनगिनत लेनदेन** : कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली बड़ी संख्या में लेनदेनों को गति और शुद्धता के साथ करने में सक्षम है।
- तुरंत रिपोर्टिंग** : अपनी गति और शुद्धता के कारण कम्प्यूटरीकृत लेखांकन के द्वारा शीघ्र और गुणात्मक रिपोर्ट प्राप्त की जा सकती है।
- कागजी कार्य में कटौती** : मानवीय लेखा प्रणाली में अभिलेखों/पुस्तकों और वाउचरों/प्रलेखों को रखने के लिए विशाल भौतिक भंडारण स्थान की आवश्यकता पड़ती है। स्टेशनरी और लेखा पुस्तकों के अलावा वाउचरों और प्रलेखों की आवश्यकता सीधे-सीधे एक निश्चित बिंदु से परे लेनदेनों की मात्रा पर निर्भर करती हैं। कागजी कार्य कम करने और लेखा पुस्तकों की मात्रा के साथ बांटने की जरूरत है। यह केवल कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली के प्रयोग से ही संभव है।



पाठ्यक्रम - VI

लेखांकन और कम्प्यूटर



टिप्पणी



लेखांकन में कम्प्यूटर

- iv) **लचीली रिपोर्ट** : मानवीय लेखा प्रणाली की तुलना में कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली अधिक लचीली है। मानवीय लेखा प्रणाली की रिपोर्ट से आवधिक आधार पर खातों की शेष राशि का पता चलता है। जबकि कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली किसी भी अवधि के लिए जो उस लेखांकन अवधि के भीतर है, उसके शेष की रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम है।
- v) **ऑन-लाईन सुविधा** : कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली, लेनदेन डाटा के भंडारण और प्रसंस्करण करने में ऑनलाईन सुविधा प्रदान करता है ताकि सूचना का प्रयोग वित्तीय रिपोर्ट को देखने तथा जानकारी लेने के लिए किया जा सके।
- vi) **अनुमापकता** : कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली पूरी तरह व्यापारिक उद्यम के तेजी से बढ़ते हुए लेनदेनों से निपटने के लिए तैयार है। लेखा विभाग में अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता केवल अतिरिक्त प्रमाणकों की प्रविष्टियों तक सीमित है। अतिरिक्त लेनदेन-डाटा प्रसंस्करण में कोई भी अतिरिक्त लागत नहीं आती है।
- vii) **शुद्धता** : कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली द्वारा तैयार प्रतिवेदन के सूचना के अंग पूर्णतया शुद्ध होने के कारण निर्णय लेने में विश्वसनीय भूमिका निभाते हैं। मानवीय लेखा प्रणाली में प्रतिवेदन और सूचना विकृत, अशुद्ध होने की संभावना रहती है। इसी कारण यह अविश्वसनीय होती है। इसका कारण यह है कि कोई व्यक्ति लेनदेन डाटा के अति विशाल होने के कारण प्रसंस्करण के समय इस प्रकार की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करते समय गलती कर बैठते हैं।
- viii) **सुरक्षा** : मानवीय लेखा प्रणाली के अंतर्गत सूचना की सुरक्षा बनाए रखना काफी कठिन है, क्योंकि यह लेखा पुस्तकों का कार्य करने वालों के लिए निरीक्षण हेतु सदा उपलब्ध रहती है। जबकि कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली में केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं को ही लेखांकन डाटा के उपयोग की अनुमति होती है। मानवीय लेखा प्रणाली की सुरक्षा की तुलना में कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की सुरक्षा कहीं अधिक अच्छी है।

16.7 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की आधारभूत आवश्यकताएँ

किसी भी कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की आधारभूत आवश्यकताएँ निम्नलिखित हैं :

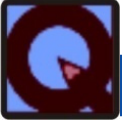
- i) **लेखांकन ढाँचा** : यह कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली को लागू करने की पर्यावरण पद्धति है। किसी भी कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली के लिए सिद्धांतों, कोडिंग और सामूहिक ढाँचा एक स्वस्थ लेखांकन के रूप में एक पूर्व-निर्धारित शर्त है।
- ii) **संचालन प्रक्रिया** : उद्यम के उपयुक्त वातावरण में कार्य करने के लिए कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली को भली प्रकार से संचालन प्रक्रिया द्वारा तैयार और डिजाइन किया जाता है। कम्प्यूटरीकृत लेखांकन एक डेटाबेस आधारित अनुप्रयोग है, जबकि लेनदेन डाटा भली प्रकार से संगठित डाटाबेस में भंडारित हो जाता है। उपयोगकर्ता आवश्यक इंटरफेस का उपयोग डाटाबेस संचालित करता है। इसके साथ-साथ वह भंडारित डाटा को सूचना में आवश्यक परिवर्तन करके आवश्यक रिपोर्ट प्राप्त करता है।

16.8 मानवीय लेखांकन और कम्प्यूटीकृत लेखांकन में अंतर

आधार	मानवीय लेखांकन	कम्प्यूटीकृत लेखांकन
1. अभिलेखन	वित्तीय लेनदेनों का अभिलेखन मूल पुस्तकों में प्रविष्टि द्वारा किया जाता है।	इसके अंतर्गत के लेनदेनों की प्रविष्टियाँ सुनियोजित डाटाबेस में की जाती हैं।
2. वर्गीकरण	बहियों में मूल प्रविष्टि करने के बाद उन्हें खाता बही में विभिन्न खातों में प्रविष्टि किया जाता है।	इसमें डाटा की कोई भी अनुकृति तैयार नहीं होती। लेखा खाते तैयार करने के लिए संग्रहित लेनदेन डाटा को वर्गीकृत किया जाता है। इसी कारण इसे रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।
3. सारांश	तलपट बनाने के लिए विभिन्न खातों का शेष ज्ञात किया जाता है।	तलपट तैयार करने के लिए लेखा खातों को तैयार करने की आवश्यकता नहीं है।
4. समायोजन	समायोजन प्रविष्टियाँ मिलान सिद्धांत के पालन के लिए की जाती हैं।	इसमें त्रुटियों को सही करने के लिए समायोजन प्रविष्टियों की कोई आवश्यकता नहीं होती।
5. वित्तीय विवरण	वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय तलपट की आवश्यकता होती है।	वित्तीय विवरणों को स्वतंत्र रूप से तैयार किया जा सकता है।



टिप्पणी



पाठगत प्रश्न 16.3

I. रिक्त स्थानों को सही शब्द/शब्दों द्वारा भरें :

- मानवीय लेखा प्रणाली में लेनदेन _____ की बहियों में संग्रहित किए जाते हैं।
- कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली में खाता बही तैयार करना _____ के लिए आवश्यक शर्त नहीं है।
- कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली _____ लेनदेनों को संभालने में सक्षम है।
- _____ लेखांकन प्रणाली विशिष्ट एवं तीव्र विवरण देने में सक्षम है।
- कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली _____ लेनदेन डाटा भंडारित करने की सुविधा प्रदान करती है।
- कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली मानवीय लेखा प्रणाली से _____ है।
- कम्प्यूटीकृत लेखा प्रणाली _____ अनुकूल अनुप्रयोग है।



टिप्पणी

II. बहुविकल्पीय प्रश्न

- i. निम्न में से कौन सी कम्प्यूटर की विशेषता नहीं है?
क) गति
ख) कृत्रिम बुद्धिमता
ग) भंडारण
घ) सटीकता
- ii. सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू) में शामिल नहीं है।
क) नियंत्रण इकाई
ख) स्मृति इकाई
ग) अंकगणितीय तार्किक इकाई
घ) आउटपुट इकाई (उत्पादन)
- iii. कम्प्यूटर की मुख्य सीमा है :
क) गति
ख) भंडारण
ग) स्व-निर्णय संभव नहीं है
घ) सटीकता
- iv. मुख्य लेखा सॉफ्टवेयर है :
क) टैली
ख) विंडो
ग) ईजी बुक्स
घ) क्रेडिट मैनेजर
- v. निम्न में से कौन सी कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली की मौलिक आवश्यकता नहीं है?
क) लेखा फ्रेमवर्क
ख) संचालन प्रक्रिया
ग) उचित व्यवस्थित डाटाबेस
घ) बैंक खाता



आपने क्या सीखा

- कम्प्यूटर एक ऐसा इलैक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिससे निर्धारित निर्देशों के सेट कार्यक्रम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा सकते हैं। यह डाटा को तीव्र गति से प्रसंस्करण करने वाली इलैक्ट्रॉनिक मशीन है। यह सभी जटिल समस्याओं का समाधान कर सकती है।
- कम्प्यूटर की विशेषताएं : गति, भंडारण, परिशुद्धता, सटीकता, बहुमुखी प्रतिभा, संचार, प्रसंस्करण, शक्ति।
- कम्प्यूटर के अंग : इनपुट यूनिट, सेंट्रल प्रोसेसिंग युनिट, आउटपुट युनिट, नियंत्रण इकाई, स्मृति, अंक गणितीय और तार्किक इकाई।
- कम्प्यूटर की सीमाएं : रखरखाव की लागत, स्थापना, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य के लिए खतरा, स्व-निर्णय संभव नहीं है।
- कम्प्यूटर लेखांकन : लेनेदेन प्रसंस्करण प्रणाली (टीपीएस) कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली का पहला चरण है।
- कम्प्यूटर लेखांकन की आवश्यकता : कागजी कार्य में कटौती, लचीली, रिपोर्ट, ऑनलाईन, सुविधा, परिशुद्धता, रिकार्ड की सुरक्षा, लेनदेन की रिपोर्टिंग सुविधा।

लेखांकन में कम्प्यूटर

- मानवीय लेखांकन और कम्प्यूटरीकृत लेखांकन में अभिलेखन, वर्गीकरण, सारांश, समायोजन और वित्तीय विवरण के आधार पर अंतर।



पाठांत प्रश्न

- कम्प्यूटर से आपका क्या तात्पर्य है?
- कम्प्यूटर की विशेषताएं बताइए।
- कम्प्यूटर के अंगों का वर्णन कीजिए।
- कम्प्यूटर की सीमाएँ बताइए।
- लेखांकन में कम्प्यूटर की भूमिका का वर्णन कीजिए।
- मानवीय लेखांकन और कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली में अंतर स्पष्ट कीजिए।
- किसी भी कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली की मूलभूत आवश्यकताओं का वर्णन करें।
- संक्षिप्त में कम्प्यूटरीकृत लेखांकन के अनुप्रयोगों का वर्णन करें।
- लेनदेन प्रसंस्करण प्रणाली के विभिन्न चरणों का वर्णन करें।
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन की आवश्यकता क्यों है? वर्णन करें।



पाठगत प्रश्नों के उत्तर

- 16.1 (i) प्रसंस्करण (ii) इलैक्ट्रिकल (विद्युत) (iii) थकान (iv) संचार
(v) माऊस (vi) मस्तिष्क (vii) मॉनीटर
- 16.2 (i) सॉफ्टवेयर (ii) कम्प्यूटर (iii) कम्प्यूटर के (iv) मानवीय
(v) डेटाबेस (vi) सॉफ्टवेयर
- 16.3 I. (i) मूल प्रविष्टि (ii) तलपट (iii) बड़ी संख्या में (iv) कम्प्यूटरीकृत
(v) ऑनलाईन (vi) श्रेष्ठ (vii) डेटाबेस का
- II. (i) ख (ii) घ (iii) ग (iv) क (v) घ

आपके लिए क्रियाकलाप

- अपने घर के आसपास किसी ऐसी दुकान अथवा व्यावसायिक संगठन में जाएं, जहां लेखांकन के लिए कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है और लेखांकन में मानवीय लेखांकन की तुलना में कम्प्यूटर के प्रयोग की दस बातें नोट करें।

पाठ्यक्रम - VI

लेखांकन और कम्प्यूटर



टिप्पणी